सौ सौ सूरमा का बीच में अकेलो बालाजी भजन लिरिक्स

अकेला बालाजी अकेलो बजरंगी,
सौ सौ सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी।bd।

रामचंद्र से आज्ञा पाकर,
गढ़ लंका में जावे,
माता सीता का पता लगाकर,
भारी उदम मचावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी।bd।

मेघनाथ तो बाला ने,
बांध सभा में लावे,
रावण का दरबार में बालों,
मन ही मन मुस्कावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी।bd।

बड़ा बड़ा यह सूरवीर जो,
रावण ने समझावे,
पूंछ में आग लगाकर बालों,
लंका ने जलावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी।bd।

रामदूत बजरंगबली का,
भक्त मंडल जस गावे,
निज चरणों में चाकर राखो,
चरणों में सुख पावे,
सो सो सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अकेला बालाजी अकेलो बजरंगी,
सौ सौ सूरमा का बीच में,
अकेलो बालाजी।bd।

गायक / प्रेषक – रतन लाल जाट।
8949062973

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com